भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **616**
दिनांक 22 जुलाई , 2021 / 31 आषाढ़, 1943 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

एअर इंडिया का विनिवेश

616. श्री मनीश तिवारी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :
(क) एअर इंडिया के विनिवेश की स्थिति क्या है;
(ख) क्या विनिवेश बाध्य एअर इंडिया का देश के विभिन्न हिस्सों में वाणिज्यिक और आवासीय अचल संपत्ति बेचकर 200 से 300 करोड़ रुपये जुटाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या एअर इंडिया की गैर-प्रमुख संपत्तियों को बेचने के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड (एआईएएचएल) की स्थापना की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने पिछले प्रयास में आधार मूल्य पर भी बोली लगाने वालों को आकर्षित करने में विफल रहने के पश्चात् इनमें से कुछ संपत्तियों के आरक्षित मूल्य को कम कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या पिछले नीलामी प्रयास की तुलना में कुछ संपत्तियों के लिए आरक्षित कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की कटौती की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डा.) , विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड में 100% हिस्सेदारी और एयर इंडिया एसएटीएस में 50% हिस्सेदारी के साथ एयर इंडिया में भारत सरकार की 100% हिस्सेदारी के कार्यनीतिक विनिवेश हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करने के लिए 27.01.2020 को प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम)जारी किया गया था। कोविड-19 महामारी के कारण, रुचि की अभिव्यक्ति जमा करने की अंतिम तिथि समय-समय पर बढ़ाई गई थी। ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि 14.12.2020 थी। संव्यवहार सलाहकार को विभिन्न रुचि की अभिव्यक्ति के प्रस्ताव प्राप्त हुए। योग्य इच्छुक बोलीदाताओं (क्यूआईबी) के चयन के लिए संव्यवहार सलाहकार द्वारा ईओआई का मूल्यांकन किया गया था। वित्तीय बोलियां जमा करने के लिए 30.03.2021 को संव्यवहार सलाहकार द्वारा शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के मसौदे के साथ प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) को क्यूआईबीएस के साथ साझा किया गया है। वित्तीय बोलियां 15.09.2021 तक प्राप्त होने की संभावना है।
(ख)एवं(ग) एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) अर्थात एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड (एआईएएचएल) को अन्य बातों के साथ-साथ एयर इंडिया लिमिटेड की गैर-प्रमुख संपत्तियों के भंडारण के लिए स्थापित किया गया है। एअर इंडिया की गैर-प्रमुख संपत्तियों की मुद्रीकरण आय का उपयोग एआईएएचएल को हस्तांतरित एअर इंडिया के ऋण की भरपाई के लिए किया जाना है।
(घ)एवं(ड.): संपत्तियों का आरक्षित मूल्य एअर इंडिया की निरीक्षण समिति द्वारा तीन मूल्यांकनकर्ताओं से प्राप्त उच्चतम मूल्य के रूप में निर्धारित किया गया था। नीलामी के पिछले प्रयासों में बोलीदाताओं को आकर्षित करने में विफल रहने के बाद निगरानी समिति ने 16 संपत्तियों की आरक्षित कीमतों में 10% की कमी को मंजूरी दी।

*****